>

Title: Need to set up a high level team to enquire into the spread of various water borne diseases and also to ensure supply of pure drinking water in villages under Begusarai district of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, बिहार के बेगूसराय जिले की गंगा और बूढ़ी गंडक नदियां उसकी शिरायें बन चुकी हैं। गंगा पवित्रता की आकृति है। वहीं बूढ़ी गंडक गंगा में समाहित होकर गंगा बन जाती है। लेकिन दुर्भाग्य है कि गंगा का जल, जो अमृत के रूप में मनुष्यों की आत्मा में समाहित है, वह गंगा का जल आज इतना प्रदूषित हो गया है कि उसके आसपास की आबादी प्रदूषण के कारण कई प्रकार की शारीरिक व्याधियों का शिकार हो रही है। गंगा के जल में आर्सेनिक आ जाने से बेगूसराय जिले के बरौनी बेगूसराय, मटिहानी, बलिया प्रखण्डों के रचयाही, उलाव, आकाशपुर, रामदीरी, रमानगर, सिहमा चाक, बलहपुर, महेन्द्रपुर, रहटपुर, सदानन्दपुर, नरैलीपुर सिमरिया, मधुरापुर, पुलवरिया, बरौनी, बीहट आदि गांवों में आर्सेनिक जल लोगों को पीना पड़ रहा है। इससे कई प्रकार की विकलांगता मनुष्य के जीवन में उपस्थित हो रही है। 100 में से 10 बच्चे और महिलाएं नपुसंकता, घेंघा और विकलांगता के शिकार हो रहे हैं। इस भयावह स्थिति की जांच के लिए कदम भी उठाए गए और पाया गया कि गंगा का जल प्रदूषित है और इसके कारण ही इस तरह की बीमारियां उपस्थित हो रही हैं।

इस इलाके में गंगा का प्रदूषित जल लोगों को पीना पड़ता है। इस इलाके से हजारों युवा सेना और पुलिस में जाकर अपने शारीरिक बल के कारण राष्ट्र की सेवा करते रहे हैं। यह एक राष्ट्रीय क्षति है। हम सदन के माध्यम से भारत सरकार से मांग करते हैं कि वह एक उच्च स्तरीय टीम गठित कर इन पीड़ित गांवों का सर्वेक्षण कराए और मेडिकल जांच कराए तथा इसके समाधान के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था करने की दिशा में कारगर कदम उठाएं। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।

MR. CHAIRMAN : Dr. Ratna De to speak. You have to say what you want from the Central Government. You can highlight that point.